वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 85 | रविवार 23 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भाजपा के मशाल जुलूस में टला हादसा

कार्यकर्ताओं पर गिरी जलती हुई मशालें, एक महिला कार्यकर्ता हुई घायल

जयपुर. कासं। ''नहीं सहेगा राजस्थान अभियान'' के तहत आज जयपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मशाल जुलूस निकाला। लेकिन जुलूस में बड़ा हादसा होते-होते टला। जब बीजेपी कार्यकर्ता बनीपार्क के देवी नगर से मशाल हाथ में लेकर जुलूस में शामिल हुए तो कुछ दूर चलने के बाद मशाल हिलने से कई मशालों से ज्वलनशील पदार्थ कार्यकर्ताओं के ऊपर गिर गया। घटना से एक बारगी तो जुलूस में हड़कंप मच गया। लेकिन समय रहते सावधानी बरतने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लेकिन फिर भी इस पूरे घटनाक्रम में एक महिला कार्यकर्ता घायल हो गई। जिसे अस्पताल ले जाया गया। घटना में कई कार्यकर्ताओं के कपड़ों पर जलते हुए अंगारे भी गिर गए। इसके बाद जुलूस से मशालें हटा दी गई। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मोमबत्ती हाथ में लेकर ही नेता और कार्यकर्ताओ ने जुलूस पूरा किया। जुलूस में प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी सहित शहर बीजेपी के कई नेता शामिल हुए। पूरे घटनाक्रम के बाद जुलूस रेलवे स्टेशन पहुंचकर सम्पन्न हुआ। इससे पहले आज दिन में बीजेपी मुख्यालय में अभियान को लेकर जयपुर संभाग के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की बैठक भी आयोजित हुई। प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने यह बैठक ली। बैठक में तय हुआ था कि 31 जुलाई तक जयपुर संभाग में जगह-जगह मशाल जुलूस व प्रभात फेरियां निकाली जाएगी। जिसमें आमजन से सम्पर्क करके गहलोत सरकार का फेल कार्ड लोगों में बांटा जाएगा। वहीं विधानसभा स्तर पर एफआईआर कैंप लगाए जाएंगे। जिसमें गहलोत सरकार के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ता एफआईआर दर्ज करवाएंगे। इसके बाद सरकार के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की जाएगी।

1 अगस्त को जयपुर में होगा महा प्रदर्शन

नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन के बाद 1 अगस्त को जयपुर में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता जयपुर पहुंचेंगे। प्रदर्शन में भारी भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। आज जयपुर की तरह ही तीन संभागों में ओर बैठकें आयोजित हुई। जिसमें भरतपुर संभाग की बैठक प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, अजमेर संभआग की बैठक प्रदेश चुनाव प्रभावी प्रह्लाद जोशी और जोधपुर संभाग की बैठक प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने ली।

जयपुर एयरपोर्ट पर सूटकेस में कसे मिले सोने के पेंच

जयपुर. कासं। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने शुक्रवार शाम 20 लाख रुपए का सोना पकड़ा है। एयर इंडिया की फ्लाइट से आया पैसेंजर दुबई से सोने की तस्करी कर जयपुर लेकर आया था। सोने के 36 स्क्रू सूटकेस में कसे मिलने के साथ ही पैसेंजर के मुंह से 2 पीस मिले हैं। कस्टम विभाग सोने को जब्त कर पैसेंजर को कस्टडी में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कस्टम डिपार्टमेंट ने बताया- शाम 5:45 पर एयर इंडिया की फ्लाइट दुबई से जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टेक ऑफ हुई। एक्स-रे स्क्रीनिंग के जरिए पैसेंजरों के सामान की जांच की गई। दुबई से आए एक पैसेंजर के सामान की एक्स-रे स्क्रीनिंग में डाउट हुआ। पैसेंजर के सूटकेस को स्क्रेन करने पर उसमें डार्क इमेज दिखाई दी। पूछताछ में पैसेंजर ने किसी भी प्रकार की अनलीगल चीज स्टूकेस में होने से मना कर दिया। सूटकेस के चेक-इन बैगेज खोलने पर सोने के 36 स्क्रू कसे मिले। पैसेंजर को सर्च करने पर उसके मुंह में छिपाए गए बढ़िया सोने के 2 पीस मिले। दुबई से तस्करी कर लाए सोना 99.90 प्योर है। पकड़े गए सोने का वेट 318 .34 ग्राम है, जिसकी कीमत 19 लाख 56 हजार 199 रुपए है।

दुबई से तस्करी कर लाया गया 20 लाख का गोल्ड, जयपुर एयरपोर्ट पर पैसेंजर को पकड़ा

मुख्यमंत्री गहलोत ने मणिपुर हिंसा को लेकर दिया बड़ा बयान

विद्यार्थियों की मदद करेगी सरकार

जयपुर. कासं। मणिपुर में हिंसा को लेकर पूरा देश सहमा हुआ है। सड़क से संसद तक चर्चा हो रही है। देश के हर कोने से राहत और प्रक्रिया सामान्य करने की बात हो रही है। मणिपुर हिंसा में हो रहे वज्रपात की इस घड़ी में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। इस मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि मणिपुर में लगातार हिंसा को देखते हुए प्रदेश में पढ़ाई कर रहे सभी छात्रों की मदद के लिए प्रदेश सरकार तैयार है। अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के कारण राजस्थान में पढ़ाई कर रहे वहां के विद्यार्थियों को कोई परेशानी आए तो वह तत्काल ही संबंधित जिले के जिला कलेक्टर कार्यालय या फिर 181 को अपनी समस्या बताएं। उसका तत्काल ही हर हाल में समाधान किया जाएगा। सभी शिक्षण संस्थानों और हम सभी राजस्थानियों की जिम्मेदारी है कि इस मुश्किल परिस्थितियों में अपने घर से दूर हमारे सभी मणिपुरी भाई-बहनों की मदद करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार इस कठिन परिस्थिति में इनके साथ है।

जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन पर धर्म जागृति संस्थान ने मुख्य मंत्री का जताया आभार

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत के संयुक्त महामंत्री संजय बड़जात्या ने श्री महावीर जी मे संस्थान के 16 अप्रैल को प्रथम प्रांतीय अधिवेशन में श्रमण संस्कृति की मांग उठाई थी जिसको पुर जोर समर्थन व आचार्य वसुनंदी जी महाराज का का आशीर्वाद मिला था।संस्थान सभी संस्थाओं के साथ इस माँग में निरंतर साथ रहा। अभी 20 जुलाई को विधान सभा मे बोर्ड के गठन की मांग करने के लिए ज्ञापन देने में संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने सकल जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल के साथ सम्बन्धित मन्त्री टीका राम जूली को ज्ञापन दिया था जिस पर उन्होंने स्पष्ट आश्वासन दिया था की शीघ्र ही बोर्ड का गठन कर दिया जाएगा। और 22 जुलाई को ही मुख्य मंत्री जी ने इस माँग को पूरा कर दिया जिससे पूरे समाज में खुशी की लहर छा गई। इस ऐतिहासिक घोषणा के लिए संस्थान मुख्य मंत्री जी व सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सावन उत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट और सशक्तिकरण ग्रुप द्वारा आयोजित 'सावन उत्सव' का आयोजन 22 जुलाई, 2023 को जयपुर के ब्लू प्लूटो, एंटरटेनमेंट पैराडाइस में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस उत्सव का जो देश सेवा और समाज सेवा के क्षेत्र में समृद्धि से भरा अध्याय था। जो सभी उपस्थित लोगों के द्वारा अत्यंत उत्साह से स्वागत किया गया इस समारोह के अवसर पर श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट और और सशक्तिकरण ग्रुप में उन समाज सेवा और देश सेवा के सभी व्यक्तियों को सम्मानित किया जो समाज में और देश में कुरीतियों को हटाकर नवीनीकरण के आधार पर बदलाव लाने के लिए आम जनता को जागृत करने के उद्देश्य से कार्य में लगे हुए हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमहापौर पुनित कर्णावट, राधेश्याम गुप्ता रहे। यहां आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों में वे लोग जो सामाजिक समस्याओं के समाधान में योगदान दे रहे हैं, प्रमुख अतिथियों के रूप में सम्मानित किए गए। साथ ही निष्पक्ष भारत परिवार को भी सम्मानित किया गया।

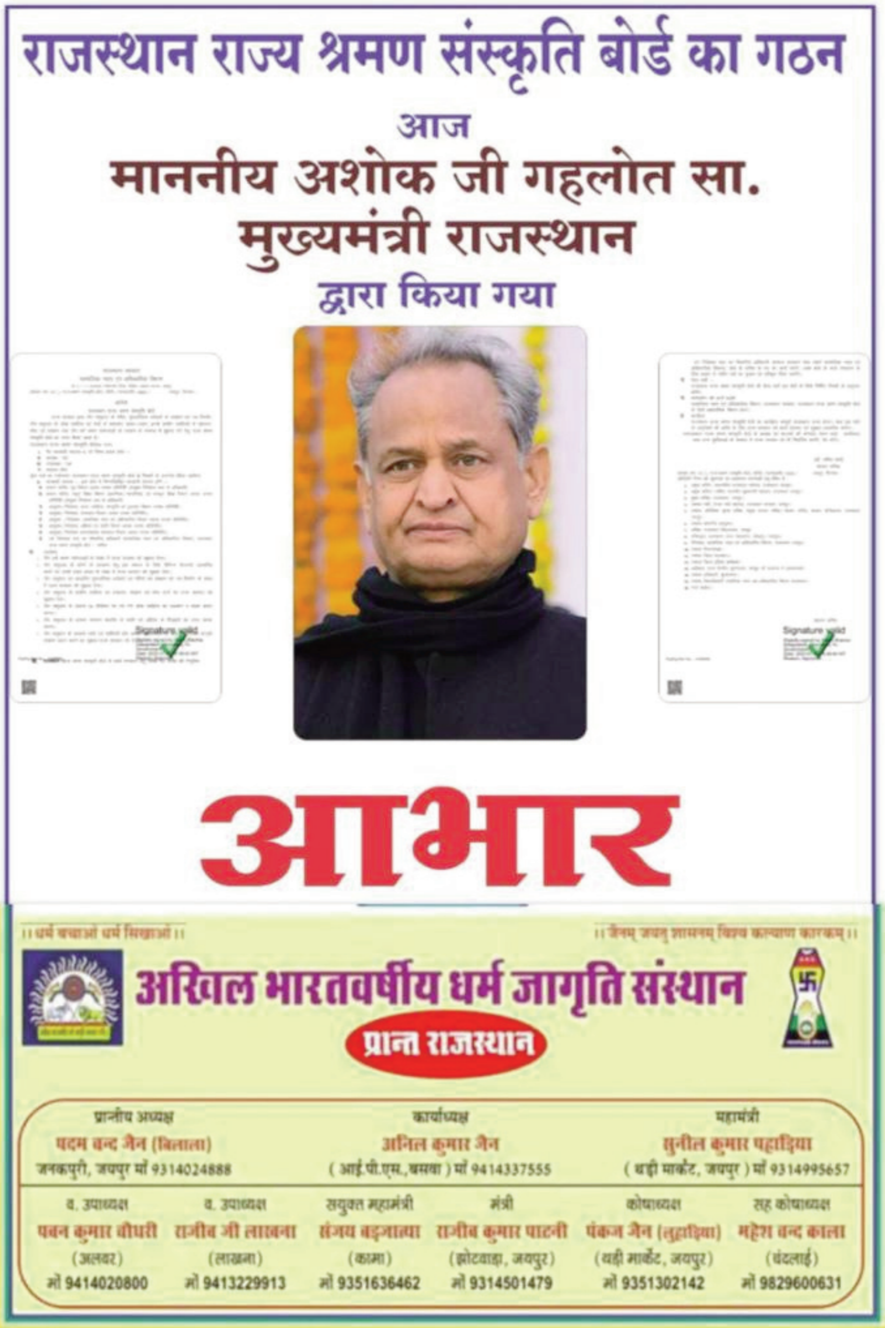

जैन इतिहास की गौरव गाथा

बलिदान देकर भी धर्म का मार्ग नही छोड़ा

सिख और जैन परिवारों ने अपने प्राण त्याग दिये पर धर्म परिवर्तन नही किया

ब्यावर. शाबाश इंडिया। बिरद भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन में महासती धैर्यप्रभा ने धर्मसभा को धर्म पर मर मिटने वालों का इतिहास के पन्नों की एक की गौरव गाथा जो कि पंजाब की धरती पर रचा गया। महासती ने धर्मसभा को बताया कि औरंगजेब के समय मुगलों द्वारा व्यापक स्तर पर धर्म परिवर्तन किया जाता था। जो धर्म परिवर्तन के लिए तैयार नही होते उन पर व्यापक अत्याचार किये जाते थे। सिख गुरु गोविंदसिंह जी के बच्चे हो या जैन समाज के छोटे छोटे बच्चे उन्होंने अपने प्राण त्यागना मंजूर किया परन्तु कभी भी अपना सिर झुकने नही दिया। महासती जी द्वारा गत शुक्रवार से यह मार्मिक कथानक बताया जा रहा है जो कि रविवार तक चलेगा। महासती द्वारा गुरु गोविंद सिंह और उनके बच्चों के बलिदान गाथा वाचन की जानकारी जब सिख सम्प्रदाय के श्रावकों को लगी तो बढ़ी संख्या में वो भी महासती का व्याख्यान सुनने के लिए बिरद भवन धर्मसभा में उपस्थित हुए और उन्होंने भी अपनी कौम के साहबजादों के बलिदान की दास्तां सुनकर अपने आप को निहाल किया। पूरी धर्मसभा इतिहास की इस गौरवगाथा को सुनकर मंत्रमुग्ध होकर वाह वाह कर उठी। उन्होंने इस मार्मिक प्रवचन के माध्यम से गुरु महिमा एवं बलिदान गाथा को सुनकर अपने आप को भी धन्य माना।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा बालिकाओं को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के मानव सेवार्थ पखवाड़ा के अंतर्गत गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा 22 जुलाई को प्रातः दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के द्वारा संचालित संत श्री सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवम छात्रावास में निवास कर रही 155 छात्राओं को ग्रुप की महिला सदस्यों ने प्रातः का भोजन कराया। संस्थान की श्रीमती ज्ञानू जैन ने बताया कि संस्थान की दो बालिकाओं दृष्टि जैन पुत्री भरत जैन बांसवाड़ा निवासी व आन्या जैन पुत्री विकास जैन जबलपुर को इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी पुरस्कार मिला। अन्य क्लासेज में संस्थान की छात्रायें 4 साल से राजस्थान की टॉपर रही। आज के कार्यक्रम में अनिल शशि जैन ग्रुप के परम संरक्षक, सुनील सुमन बज अध्यक्ष, विनोद बड़जात्या सचिव, विनय अजमेरा, राजेन्द्र मंजू छाबडा, महावीर मुन्ना पांड्या, अशोक कुसुम जैन, प्रकाश कांता पाटनी, सुनील मीना काला, चेतन रेखा जैन, विनोद किरण झांझरी, महावीर संतोष चांदवाड, प्रवीण उमा सेठी, प्रदीप उषा बज, निर्मला नरेश पाटनी, उषा ओमप्रकाश जैन ने कार्यक्रम में भाग लिया। सचिव विनोद बड़जात्या ने बताया कि मानव सेवार्थ कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 23 जुलाई को भी श्रमण संस्कृति संस्थान के 200 छात्रों को गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा प्रातः का भोजन कराया जायेगा।

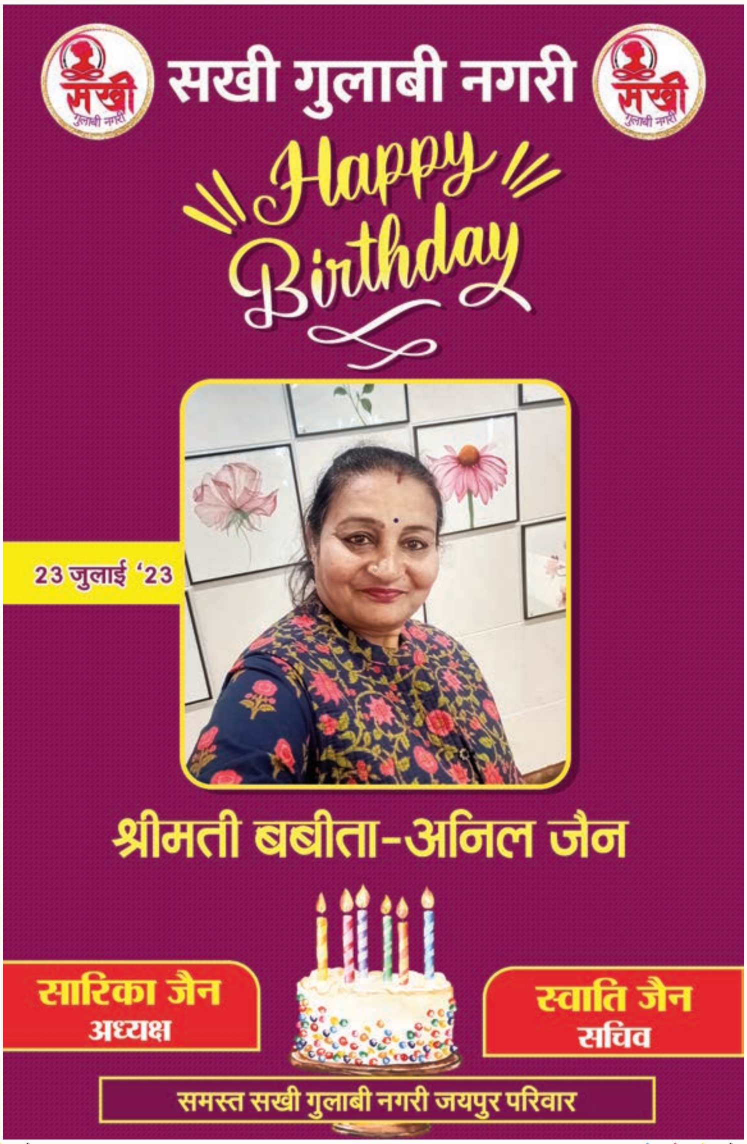

वेद ज्ञान

वाणी से पता चलता है मनुष्य का स्वभाव

मनुष्य का ज्ञान, स्वभाव का स्तर उसकी वाणी से पता चलता है। वाणी अपनी मिठास, तर्क, क्षमता और भाव संवेदना से दूसरों को प्रभावित ही नहीं करती, बल्कि प्रतिकूल से अनुकूल बना लेती है। कुशल वक्ता जनमानस को बदलते और उसे अपने विचारों की अनुकूल धारा में बहा ले जाते हैं। लोक व्यवहार में सफलता-असफलता का बहुत कुछ आधार उसके भाषण-संभाषण स्तर के साथ जुड़ा रहता है। इसी कारण जीभ को इन्द्रियों की गणना में एक नहीं दो माना गया है। वही वाक्शक्ति भी और वही स्वादेन्द्रिय रसना भी है। इसका शासन संपूर्ण व्यक्तित्व पर छाया रहता है। अध्यात्म क्षेत्र में वाक्सिद्धि का प्रयोजन मौन व्रत का अभ्यास करने से होता है। निरंतर बोलते रहने से वाणी की प्रभाव क्षमता क्षीण होती है। इसलिए विद्वतजन निरर्थक नहीं बोलते। सोच समझकर सीमित और अर्थपूर्ण शब्द कहते हैं। उनका थोड़ा-सा भी बोलना घंटों बकवास करने की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावशाली होता है। मौन व्रत के द्वारा भावी कार्यकाल को सुगम बनाया जा सकता है। मौनकाल में विचारों की शक्ति सीमाबद्ध होती है। इसे इधर-उधर बिखेरने के बजाय यदि वाक्शक्ति को धारदार बनाने में लगाया जाय तो वह तलवार से भी अधिक सशक्त बनती है। ध्यान के लिए मौन व्रत अनिवार्य है। किसी दशा-विशेष में प्राणशक्ति को नियोजित करने का अभ्यास करना हो तो उसका प्रथम चरण मौनव्रत ही हो सकता है। बांध खोलने पर जल का प्रचंड प्रवाह उछाल मारता है, यदि उसे सामान्य गति से बहने दिया जाए तो जल धारा सामान्य स्तर की ही बनकर रह जाती है। यही बात जीभ के संबंध में भी है। शक्ति संस्थानों में विचार के उपरांत वाणी का स्थान होता है। विचार सूक्ष्म हैं, वाणी स्थूल विचारों की परिधि को बेधकर किसी का भी अंतरंग पढ़ना कठिन है। मौन व्रत से उपासना की शक्ति भी कई गुना बढ़ जाती है और उस आधार पर निग्रहित की गई जीभ जो कुछ कहती है, वह शुभ सत्य होकर रहता है। जीभ के कार्यक्षेत्र लौकिक भी हैं और पारलौकिक भी। लोक व्यवहार में यह सबसे बड़ी क्षमता है। अध्यात्म में सत्संग, विचार-विनिमय जीभ से ही संपन्न होते हैं। इन्हें मनन-चिंतन का प्रतीक स्वीकारना चाहिए।

संपादकीय

सर्वोच्च न्यायालय का हैवानियत की घटना पर कड़ा रुख

सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें बहुत सारे लोग दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़क पर घुमा रहे हैं। उनके साथ छेड़खानी भी होती दिख रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद स्वाभाविक ही सबका सिर झुक गया। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकार से सख्त लहजे में कहा है कि इस पर तत्काल कार्रवाई करें, वरना हम करेंगे। प्रधानमंत्री ने भी चुप्पी तोड़ते हुए संसद में इस मामले को शर्मनाक बताया। मणिपुर पुलिस का कहना है कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। एक कथित आरोपी को उसने गिरफ्तार भी कर लिया है। यह घटना चार मई की बताई जा रही है। यानी हिंसा शुरू होने के दूसरे दिन की। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि करीब एक हजार लोगों की हथियारबंद भीड़ उनके गांव में घुस आई, आगजनी और कत्लो-गारत शुरू कर दिया। पुलिस उन दोनों महिलाओं को अपनी गाड़ी में थाने ले जा रही थी। तभी भीड़ सामने आ गई और पुलिस उन्हें

भीड़ के बीच गाड़ी से उतार कर चली गई। इस घटना पर जब मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से प्रतिक्रिया ली गई, तो उन्होंने कहा कि ऐसी सैकड़ों घटनाएं हो चुकी हैं। उन सबके बारे में जांच चल रही है। विचित्र है कि करीब ढाई महीने से मणिपुर में हिंसा हो रही है, वहशी भीड़ वहां की महिलाओं को शत्रु संपत्ति समझ कर उनके साथ हैवानियत की हद तक क्रूर व्यवहार और उनकी अस्मत को तार-तार कर रही है और राज्य सरकार तमाशाई बनी बैठी है। मुख्यमंत्री के बयान से यही जाहिर है कि ऐसी घटनाएं उनके लिए मामूली हैं। शर्म की बात है कि यह मध्ययुगीन मानसिकता आज भी खत्म नहीं हुई है, जब विजेता सेनाएं शत्रु पक्ष की महिलाओं की अस्मिता के साथ इसी तरह खिलवाड़ करती और कुचलती देखी जाती थीं। पीड़ित महिलाएं कुकी समुदाय की बताई जा रही हैं। छिपी बात नहीं है कि पिछले ढाई महीने से किस कदर वहां की कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसक झड़पें जारी हैं और वे दोनों एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिहिंसा के भरे बैठे हैं। ऐसी स्थितियों में चूंकि महिलाएं सबसे आसान शिकार होती हैं और उनका अपमान कर जैसे पूरे समुदाय से बदला लेने का संतोष मिलता है, इसलिए जिन लोगों ने महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया उनके मन में भी यही भाव था। पीड़ित महिलाओं ने बताया है कि उनके साथ सामूहिक बलात्कार भी किया गया। हैरानी की बात है कि यह घटना पुलिस की जानकारी में हुई थी और उसने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और दोषियों की तलाश करने में तत्परता अब दिखाई है, जब उसका वीडियो प्रसारित होना शुरू हुआ। केंद्र सरकार को भी शायद अभी इसकी गंभीरता का अंदाजा हुआ है, जब विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि अगर केंद्र और राज्य सरकार ने संजीदगी दिखाई होती तो यह हिंसा बहुत पहले रुक गई होती। मगर न तो वहां की पुलिस इसे रोकने को लेकर गंभीर देखी गई और न राज्य सरकार ने दोनों समुदायों के बीच फैले भ्रम को दूर करने का कोई प्रयास किया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अत्याचार

घरेलू सहायकों-सहायिकाओं के प्रति आज भी बहुत सारे लोगों का व्यवहार सामंती जमाने वाला ही देखा जाता है, जब उन्हें नौकर मान कर छोटी-छोटी बातों पर प्रताड़ित करना अपना अधिकार समझा जाता था। मगर यह मानसिकता जब पढ़े-लिखे, अच्छे पदों पर काम करने वाले, समाज के संभ्रांत माने जाने वाले लोगों में प्रकट होती है, तो समाज के सभ्य होने पर स्वाभाविक ही सवाल उठने लगता है। ताजा घटना दिल्ली के एक संभ्रांत माने जाने वाले इलाके की है, जिसमें हवाई जहाज उड़ाने वाली एक महिला और एक निजी विमान कंपनी में कर्मी उसके पति के अपनी घरेलू सहायिका को पीटने का तथ्य उजागर हुआ। वे मामूली बातों पर उसे पीटा करते थे। जब यह व्यवहार अपनी हदें पार गया और घरेलू सहायिका के रिश्तेदारों को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने मालिक पति-पत्नी को सरेआम पीटा। ऐसी कई घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। कुछ में तो मालिक क्रूरता की इस हद तक पहुंचते देखे गए, जब उन्होंने किसी मामूली गलती पर अपने घरेलू सहायक को सिगरेट से दाग दिया। गुरुग्राम की एक रिहाइशी इमारत में कुछ अरब नागरिक लंबे समय तक अपनी सहायिका का यौन शोषण करते और उसे मारते-पीटते रहे। घरेलू सहायक लोग इसलिए रखते हैं कि वे उनके कामकाज में मदद करेंगे। मगर बहुत सारे लोग खुद को उनका मालिक समझ कर उन्हें प्रताड़ित करने का जैसे हक हासिल कर लेते हैं। कई लोग तो घरेलू सहायक अपने गांव से लाते हैं या किसी परिचित के जरिए उन्हें मंगा लेते हैं। उनका पुलिस में पंजीकरण भी नहीं कराते, जबकि नियम के मुताबिक बिना पंजीकरण के घरेलू सहायक नहीं रखा जाना चाहिए। कई लोग घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाली एजंसियों के माध्यम से उन्हें काम पर रखते हैं। ऐसे सहायकों के पास एक सहारा होता है कि वे अपने खिलाफ होने वाली ज्यादतियों की शिकायत संबंधित एजंसी से कर सकते हैं। बहुत सारी ऐसी एजंसियां घरेलू सहायकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें घरों में काम कर लगाती हैं, वे उनके बारे में जानकारी भी लेती रहती हैं। मगर बहुत सारी एजंसियां अपना कमीशन पा जाने के बाद जैसे उन घरेलू सहायकों की सुध लेना ही भूल जाती हैं। अगर कभी कोई सहायक अपने साथ होने वाले दुर्व्यवहार की शिकायत करता भी है, तो वे उसे समझा-बुझा कर सहन करने की सीख देतीं या फिर चुप्पी साध जाती हैं। ऐसे में घरेलू सहायक यातना सहने को मजबूर होते हैं। देश के कई हिस्सों में, जहां अतिशय गरीबी है, वहां से लड़के-लड़कियां घरेलू सहायक के रूप में काम करने के मकसद से महानगरों में आ जाते हैं। आदिवासी इलाकों से ऐसी भी शिकायतें बहुतायत में हैं कि कुछ एजंट उनकी लड़कियों को काम दिलाने के नाम पर ले आते हैं और फिर उन्हें घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाली एजंसियों के हवाले करके गायब हो जाते हैं। ऐसे में बहुत सारी लड़कियों के बारे में उनके माता-पिता को पता भी नहीं चल पाता कि वे कहां हैं, क्या काम कर रही हैं। ऐसी लड़कियां अक्सर शोषण का शिकार होती हैं। दिल्ली में घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाली एजंसियां हर मुहल्ले में मिल जाएंगी, मगर उन पर नजर रखने का कोई तंत्र आज तक नहीं बन पाया है। जब तक घरेलू सहायक रखने को लेकर कड़े नियम-कानून नहीं बनते, कोई पुख्ता तंत्र विकसित नहीं होता, तब तक उनके साथ ऐसी घटनाओं पर रोक लगने का दावा नहीं किया जा सकता।

पंच दिवसीय मज्जा जिनेन्द्र महाअर्चना का दूसरा दिन

गूंजे सिद्ध भगवान के जयकारे, अष्ट द्रव्यों के साथ "श्रद्धा के भावों" को धारण कर चढ़ाए अर्घ

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के दक्षिण भाग स्थित प्रताप नगर के सेक्टर 8 में शुक्रवार से प्रारंभ हुए पंच दिवसीय मज्जाजिनेन्द्र महाअर्चना विधान पूजन के दूसरे दिन का आयोजन अनुष्ठान स्थल पर श्रीजी के स्वर्ण एवं रजत कलशों से कालशाभिषेक कर प्रारंभ हुआ, इसके पश्चात श्रावकों ने सम्पूर्ण विश्व में फैली अशांति को समाप्त करने की प्रार्थना के साथ आचार्य सौरभ सागर के मुखारविंद भव्य शांतिधारा कर अर्घ चढ़ा मंगल कामना की। प्रातः 7.30 बजे सिद्ध परमेष्ठि की भजनों और जयकारों के साथ आराधना व विधान पूजन प्रारंभ हुई, जिसमें पूजन में सम्मिलित सैकड़ों श्रावक और श्राविकाओं ने सिद्ध भगवान के जयकारों के साथ जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नेवेघ, दीप, धूप, फल के साथ श्रद्धा के भावों को धारण किया और कर्मों की निर्जरा के लिए अष्ट द्रव्यों के साथ विधानपूजन में अर्घ चढ़ाएं, इस दौरान श्रावकों ने भजन, भक्ति के साथ हाथों में चवर लेकर जिनेन्द्र प्रभु की भक्ति की। कार्याध्यक्ष दुर्गालाल जैन ने बताया की शनिवार को महोत्सव के दौरान विधायक कालीचरण सर्राफ, पूर्व शहर भाजपा अध्यक्ष संजय जैन, श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल, मयंक जैन, आलोक जैन तिजारिया, मनोज झांझरी सहित विभिन्न समाज श्रेष्ठियों ने आचार्य श्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों का स्वागत सम्मान श्री पुष्प वर्षायोग समिति के गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेंद्र जैन, मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या और प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां द्वारा किया गया। इस दौरान प्रातः 8.30 बजे आचार्य सौरभ सागर महाराज ने मंगल आशीर्वचन दिए जिसका लाभ सभी अतिथियों सहित श्रद्धालुओं और श्रावकों ने लिया।

विधायक कालीचरण सर्राफ, पूर्व शहर भाजपाअध्यक्ष संजय जैन, अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल ने लिया आचार्य श्री का आशीर्वाद

कर्मों की निर्जरा के लिए धर्म के मार्ग पर चलो, संस्कारों का अनुसरण प्रतिदिन करोः आचार्य सौरभ सागर

शनिवार को आचार्य सौरभ सागर जी ने अपने आशीर्वचनों में कहा की - सरल और सफल जीवन प्रत्येक प्राणी का लक्ष्य है, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक प्राणी को अपने कर्मों की निर्जरा प्रतिदिन करनी चाहिए और धर्म के मार्ग पर चलकर प्रतिदिन संस्कारों का अनुसरण करना चाहिए, तभी सरल और सफल जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। परिश्रम तो सभी प्राणी करते है किंतु जो प्राणी परिश्रम को श्रद्धा के साथ अपने भावों में उतारते है वही प्राणी अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर पाते है। आज के दौर में प्राणी कर्मों की निर्जरा की प्रार्थना करने की बजाय मोह, माया में पहुंचने का लक्ष्य बनाता है जो व्यर्थ है। मोह, माया प्राणी को केवल अहंकारी और स्वार्थी बनने का लक्ष्य प्राप्त करवाता है और धर्म व संस्कार प्राणी अजर-अमर होने के सुख की प्राप्ति करवाता है। प्रत्येक प्राणी को अगर जीवन में कोई लक्ष्य निर्धारित करना है तो केवल धर्म के मार्ग पर चलने और संस्कारों के अनुसरण करने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

।। श्री महावीराय नमः ।।

राजस्थान के इतिहास में पहली बार
गहलोत सरकार का ऐतिहासिक निर्णय

राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड

का गठन करने पर

राजस्थान के यशस्वी एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री

श्रीमान अशोक गहलोत जी

का

हार्दिक आभार एवं धन्यवाद!

प्रेरणा-दिगम्बर जैनाचार्य
108 श्री सुनील सागर जी महाराज

गोविन्द सिंह डोटासरा
प्रदेशाध्यक्ष
राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

लालचन्द कटारिया
कृषि एवं पशुपालन मंत्री
राजस्थान सरकार

टीकाराम जूली
कैबिनेट मंत्री,
सामाजिक न्याय एवं
अधिकारिता विभाग, राज. सरकार

प्रमोद जैन भाया
कैबिनेट मंत्री, माइन्स एण्ड पेट्रोलियम,
राजस्थान सरकार

मेवाराम जैन
विधायक, बाड़मेर
एवं अध्यक्ष गौ सेवा आयोग, राज.

संयम लोढा
विधायक, सिरोही
एवं सलाहकार, मुख्यमंत्री राज.

रोहित बोहरा
विधायक, राजाखेड़ा

– शुभेच्छु –

प्रबंधकारिणी समिति - श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, वैशाली नगर, जयपुर

गजेन्द्र जी बड़जात्या | प्रमोद कुमार बोहरा | हरीश कुमार जैन | अमृत लाल काला | बनवारी लाल जैन | दिलीप कुमार पटौदी | मन्ना लाल जैन

नरेन्द्र कुमार जैन (खेड़ा वाले) | नवीन सेठी | पंकज बाकलीवाल | राजेश कुमार जैन | सन्तोष झांझरी | संतोष कुमार जैन | सुरेन्द्र जैन (मिन्टु भैय्या)

विशाल सोनी

मोहित जैन
वैशाली नगर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष

प्रवीण कुमार बड़जात्या
उद्योगपति एवं समाजसेवी

विपिन पाटनी
समाजसेवी

जयकुमार जैन- बड़जात्या
समाजसेवी

सकल जैन समाज, राजस्थान

राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन

आज

माननीय अशोक जी गहलोत सा.
मुख्यमंत्री राजस्थान

द्वारा किया गया

आभार

राकेश-समता गोदिका	अध्यक्ष:	दिगंबर जैन सोशल सन्मति ग्रुप
राजेश-सीमा बडजात्या	अध्यक्ष:	दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन
सुरेंद्र-मृदुला पांड्या	महामंत्री:	दिगंबर जैन महासमिति
निर्मल-सरला संघी	महासचिव:	दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन
दर्शन-विनीता जैन बाकलीवाल	संरक्षक:	दिगंबर जैन सोशल सन्मति ग्रुप
मनीष-रचना बेद	महामंत्री:	राजस्थान जैन सभा
चक्रेश-पिंकी जैन	उपाध्यक्ष:	दिगंबर जैन सोशल सन्मति ग्रुप
अनिल-निशा संघी	सचिव:	दिगंबर जैन सोशल सन्मति ग्रुप
राजेश-रानी पाटनी	सयुक्त सचिव:	दिगंबर जैन सोशल सन्मति ग्रुप
सुनील जैन	अध्यक्ष:	आदिनाथ मित्र मंडल
राजेंद्र बाकलीवाल	मंत्री:	आदिनाथ मित्र मंडल

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा सांगानेर छात्रावास में 200 छात्रों को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के पखवाड़े 15 से 31 जुलाई के अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से आज शनिवार, 22 जुलाई को प्रातः 10 बजे श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के 200 छात्रों को (बालक छात्रावास) में प्रातः का भोजन करवाया। अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर ग्रुप संरक्षक एवम श्रमण संस्कृति संस्थान के सयुक्त मंत्री दर्शन जैन बाकलीवाल, संस्थान के मंत्री सुरेश कासलीवाल, प्राचार्य अरुण जैन, राहुल जैन,प्रशांत जैन, आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन, मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल, अनिल जैन, पूजा प्रसार समिति के अध्यक्ष विमल जैन, मंत्री धनेश सेठी,सन्मति ग्रुप के सांस्कृतिक मंत्री कमल-मंजू ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्य नितेश पांड्या, अशोक सेठी, नरेंद्र जैन, राजेश पाटोदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने अहिंसा महाव्रत की रक्षा हेतु केंशलोच किया

विमल जोला. शाबाश इंडिया।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ गुन्सी मे गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने केंशलोच किया। केंशलोच कार्यक्रम से पूर्व श्रद्धालुओं ने मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी के अभिषेक किए एवं विश्व में शांति की कामना के लिए आर्यिका माताजी के मुखारविन्द से क्षीर सागर के जल से वृहद शांतिधारा की गई। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि केंशलोच कार्यक्रम के तहत श्रद्धालुओं ने नित्य प्रति पाठ, दर्शन पाठ, विनय पाठ, शांतिनाथ चालीसा, महावीर चालीसा, सहित अनेक प्रकार के अनुष्ठान संपन्न हुए। इस दौरान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार में मनुष्य के अंदर कोई भी आधि व्याधि हो उसका सम्पूर्ण निराकरण शांति प्रभु के चरणों में ही शांत हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि इन शांति प्रभु के चरण भक्तों को किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं इनके शरण में जो भी आता है, संसार सागर पार कर लेता है। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने केंशलोच कार्यक्रम के दौरान कहा कि सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ पर विराजित शांतिनाथ प्रभु का चमत्कार अलौकिक है प्रभु के चरणों में जो भी अपनी भावना लेकर आता है उसके सारे मनोरथ पूर्ण हो जाते हैं। माताजी ने कहा कि जैन धर्म का मूल मंत्र अहिंसा है। अहिंसा से ही मानव जीवन का उद्धार है। उन्होंने अहिंसा महाव्रत की रक्षा के लिए ब्रह्म मुहूर्त में केंशलोच क्रिया सम्पन्न की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सन्मति ग्रुप का "आया सावन झूम के फैमली फन डे" कार्यक्रम आज रविवार, 23 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का ''आया सावन झूम के फैमली फन डे'' कार्यक्रम रविवार, 23 जुलाई को जामडोली स्थित Hill Side Resort पर दोपहर 1.30 बजे से आयोजित किया जायेगा । ग्रुप अध्यक्ष राकेश -समता गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम के लिए प्रदीप - प्राची जैन, चेतन - डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल को समन्वयक तथा डॉक्टर अनुपम - विनीता जैन व नितेश - मीनू पांड्या को सयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम में ड्रेस कोड सावन को देखते हुए कलरफुल लहरिया थीम पर रखा गया है।

संस्कृति संरक्षण संस्कारों से ही संभव: अर्चना जैन सदस्य नीति आयोग

प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ पहुंची नीति आयोग की सदस्य अर्चना जैन का किया गया सम्मान

ललितपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार नीति आयोग सदस्य श्रीमती अर्चना जैन (राज्यसभा सदस्य दर्जा प्राप्त), महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में अपने परिवार के साथ उपस्थित हुई,आपने अरनाथ भगवान के दर्शन करके आराधना की। यहां खुदाई में प्राप्त विशेष कलाकृतियों एवं प्रागैतिहासिक साक्ष्यों का अवलोकन किया। प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि इस मौके पर श्रीमती अर्चना जैन सदस्य नीति आयोग भारत सरकार ने नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के दर्शन, पूजन, अवलोकन किया, गुरुकुल के बच्चों से संवाद किया, बच्चों को भोजन परोसा और उनके मुख्य आतिथ्य में सभा का आयोजन किया गया।आयोजित सभा में आपने कहा कि निश्चित रूप से नवागढ़ एक बहुत बड़ी विरासत रहा है, जहां जैन संतों का आवागम भी होता रहा है।

यहां प्राप्त उपाध्याय परमेष्ठी के जिन बिंबों एवं शैलाश्रयों से सिद्ध होता है यहां शिक्षा का विशेष केंद्र रहा होगा। अपने श्री नवागढ़ गुरुकुलम का गहनता से निरीक्षण करके प्रसन्नता व्यक्त की।अपने उद्बोधन में कहा क्षेत्र के निर्देशक ब्र. जय निशांत भैया जी ने मुझे कई बार आमंत्रित किया पर आना नहीं हो सका।आज यहाँ आकर ऐतिहासिक सांस्कृतिक अमूल्य विरासत को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता और गौरव की अनुभूति हो रही है। यहां की विरासत एवं गुरुकुल देख कर लगा जयनिशांत भैया जी पंचकल्याणक महोत्सव से ज्यादा महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। आपने कहा आज नवागढ़ आकर इतनी प्रसन्नता हो रही है कि शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती। सुनील जैन पति श्रीमती अर्चना जैन ने कहा कि मुझे नहीं लगता था कि नवागढ़ में इतनी विलक्षणता है,मैं हैरान हूं इतने कम समय में सुव्यवस्थित प्रबंधन, संस्थान जय निशांतभैया जी ने खड़ा किया है। मेरा परिवार सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगा। इस मौके पर नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं नवागढ़ गुरूकुलम ने श्रीमती अर्चना जैन सदस्य नीति आयोग भारत सरकार का तिलक, माला, श्रीफल, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह, साहित्य भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। संचालन महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा ने किया। प्रारंभ में नवागढ़ गुरूकुलम के बच्चों ने मंगलाचरण किया। अर्चना जैन एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। इस मौके पर सुनील जैन, अतिशय जैन, अनुष्का जैन खुरई, क्षेत्र के महामंत्री वीर चंद नेकौरा, डॉ कोमल चंद्र,संयोजक विमल जैन पठा,एडवोकेट संदीप जैन व नवागढ़ गुरूकुलम के शिक्षक व छात्र आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्रेयांसगिरि मे आर्यिका विचारश्री माताजी का हुआ सल्लेखना समाधि महोत्सव

मीडिया समिति के भरत सेठ ने बताया कि पिछले सप्ताह सागर निवासी ब्रह्म. क्रांति जी की दीक्षा उपरांत समाधि महोत्सव संपन्न हुआ एवं 21 जुलाई को देवेंद्रनगर निवासी ब्रह्म. कुसुम जी की आर्यिका दीक्षा सुबह 10:00 बजे संपन्न हुई एवं दोपहर 1:45 पर समाधि मरण हो गया तदोपरांत शाम 5:30 पर गाजे-बाजे के साथ धूमधाम भक्ति भाव जयकारो के साथ अंतिम दर्शन पश्चात समाधि महोत्सव हजारों जैन जैनेत्तर धर्मावलंबियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

राजेश रागी/ भरत सेठ. शाबाश इंडिया

पन्ना। जिले सलेहा के समीपवर्ती अतिप्राचीन दिग. जैन तीर्थक्षेत्र श्रेयांसगिरि पर चातुर्मासरत राष्ट्रसंत, भारत गौरव गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज विशाल संघ सहित विराजमान है। मीडिया समिति के भरत सेठ ने बताया कि पिछले सप्ताह सागर निवासी ब्रह्म. क्रांति जी की दीक्षा उपरांत समाधि महोत्सव संपन्न हुआ एवं 21 जुलाई को देवेंद्रनगर निवासी ब्रह्म. कुसुम जी की आर्यिका दीक्षा सुबह 10:00 बजे संपन्न हुई एवं दोपहर 1:45 पर समाधि मरण हो गया तदोपरांत शाम 5:30 पर गाजे-बाजे के साथ धूमधाम भक्ति भाव जयकारो के साथ अंतिम दर्शन पश्चात समाधि महोत्सव हजारों जैन जैनेत्तर धर्मावलंबियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यूं तो संसार में प्रतिक्षण अनेकों प्राणियों का जन्म मरण होता रहता है लेकिन उस मरण को समाधि मरण महोत्सव बनाने वाले विरले ही पुण्यबान होते हैं , अनेक संतों ने अपने साधना मय जीवन को समाधि मरण करके सफल किया है, जीवन भर किए गए अन्य कार्यों की सफलता तभी मानी जाती है जब अंत समय व्रत संयम का पालन करते हुए गुरु चरणों में भगवान के नाम स्मरण के साथ समाधि मरण करने का अवसर प्राप्त हो , ऐसी ही थी श्रीमती कुसुम बाई जिनका जन्म पन्ना में हुआ तथा देवेंद्रनगर की

निवासी थी। आपकी उम्र 87 वर्ष की थी, अत्यंत धार्मिक प्रवृत्ति की थी, आपके पति स्वर्गीय श्री राजकुमार जी थे। आप के 2 पुत्र जिनेंद्र, सुशील एवं दो पुत्रियां उषा, रानी है। आपने बचपन से ही आलू प्याज आदि का स्पर्स भी नहीं किया,साथ ही बच्चों की शादी के बाद कभी किसी को रात्रि भोजन तक नहीं दिया, आपका सदैव प्रातः 11:00 बजे तक अन्य जल का त्याग रहता था, साधु संतों की आहार उपरांत ही भोजन किया करती थी तथा नगर में साधु-संतों के आ जाने पर बड़ी श्रद्धा भक्ति के साथ चौका लगाने व आहार देने में अत्याधिक रुचि रहती थी , लगभग 50 वर्षों से आप शुद्ध भोजन पानी तथा 2 वर्ष से एकासन के नियम में दृढ़ थी साथ ही अष्टमी, चतुर्दशी एकासन अनंत चौदस आजीवन मौन पूर्वक उपवास तथा अपने जीवन काल में 1500 उपवास और 3000 एकासन की साधना में संलग्न थी, लगभग 15 दिनों से आपने पूज्य गुरुदेव गणाचार्य श्री विराग सागर जी महामुनिराज के चरणों में दीक्षा लेने की पवित्र भावना थी ,आपको 18 जुलाई मंगलवार को पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी गुरुदेव द्वारा सप्तम प्रतिमा के व्रत दिए गए ,21 जुलाई प्रातः काल 9:45 पर क्षुल्लिका दीक्षा एवं 11:30 पर आर्यिका दीक्षा के व्रत प्रदान किए गए और आपका नाम रखा गया श्रमणी आयिका विचार श्री माताजी क्योंकि उन्होंने जीवन भर शुद्ध आचार विचार का ध्यान रखा है। अतिशय क्षेत्र श्रेयांसगिरि तीर्थ पर परम पूज्य गणाचार्य गुरुदेव के कुशल नेतृत्व मे मंत्रोच्चारण के साथ सिद्ध परमात्मा का स्मरण करते हुए चतुर्विद संघ के समक्ष चारों प्रकार के आहार का त्याग पूर्वक यम सल्लेखना सहित 1:45 पर अंतिम स्वास छोड़ी और अपनी मृत्यु को समाधि महोत्सव बना लिया बड़ी क्षमता के साथ माताजी ने नश्वर देह का विसर्जन कर स्वर्ग की ओर प्रयाण किया। समाधि की खबर लगते ही अंतिम दर्शन के लिए हजारों की संख्या में जैन जैनेत्तर धर्मावलंबियों का तांता लगा रहा, वहीं मृत्यु महोत्सव में सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

भारतीय जैन मिलन की शाखाओं का गठन

छतरपुर में नवीन एवं बड़ा मलहरा शाहगढ़ में शाखाओं का पुनर्गठन

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। भारतीय जैन मिलन के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान छतरपुर में नवीन एवं बड़ा मलहरा, शाहगढ़ में शाखाओं का पुनर्गठन, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में गठन किया गया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 के भ्रमण कार्यक्रम में अतिवीर एड. कमलेंद्र जैन राष्ट्रीय मंत्री क्षेत्रीय,अध्यक्ष अतिवीर अरुण चंदेरिया , अतिवीर महेश जैन पीएचई राष्ट्रीय संयोजक प्रचार प्रसार ,वीर मनीष जैन विद्यार्थी सागर की उपस्थिति में छतरपुर में संरक्षक वीर पंकज जैन ,अध्यक्ष वीर सुधीर जैन, मंत्री वीर अनुराग जैन मिंटी, उपाध्यक्ष वीर अशोक जैन कोषाध्यक्ष वीर रितेश जैन प्रचार मंत्री वीर अजित जैन को मनोनीत किया गया। बड़ामलहरा में संरक्षक

वीर कमल जैन ,अध्यक्ष संजीव जैन, मंत्री वीर विमल जैन कोषाध्यक्ष, वीर भागचंद जैन एवं महिला जैन मिलन में अध्यक्ष वीरांगना श्रीमती दिव्या जैन, मंत्री वीरांगना श्रीमती चंदा जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना श्रीमती सुषमा जैन को मनोनीत किया गया। शाहगढ़ में संरक्षक वीर शाह शिव प्रसाद जैन, वीर डॉ. जिनेंद्र जैन, अध्यक्ष वीर डॉ. अशोक जैन, मंत्री वीर शाह दिवा जैन, कोषाध्यक्ष वीर नीरज जैन निवार, प्रचार मंत्री वीर प्रकाश जैन अदावन को मनोनीत किया गया ।महिला जैन मिलन में संरक्षिका श्रीमती संतोष जैन कामनी, अध्यक्ष वीरांगना श्रीमती नेहा जैन, मंत्री वीरांगना श्रीमती रचना सेठ, कोषाध्यक्ष वीरांगना श्रीमती माधुरी जैन, प्रचार मंत्री वीरांगना श्रीमती दीप्ति जैन रामटोरिया को मनोनीत किया गया। छतरपुर, बड़ा मलहरा एवं शाहगढ़ में बैठक में जैन मिलन के राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर कमलेंद्र जैन ने भारतीय जैन मिलन की स्थापना से लेकर मिलन की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर अरुण चंदेरिया ने क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रम एवं जैन मिलन के महत्व के विषय में बताया एवं सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दी।

वाणी मे अमृत भी भरा है और जहर भी: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नाई। मनुष्य की वाणी में अमृत भी और जहर भी।शनिवार को साहूकार पेठ एस. एस. जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासाध्वी धर्मप्रभा ने कहा कि मनुष्य को सोच समझकर और विवेक के तराजू पर तोलकर बोलना चाहिए। मनुष्य की जिह्वा दो काम करती है बोलते समय इंसान मयार्दा नहीं रखे तो प्राणों पर संकट आ सकते है। जिह्वा से यश मान सम्मान प्राप्त होते है । मनुष्य मधुर वाणी बोले तो जगत को वश मे कर सकता है। कड़वे वचन बोलने मनुष्य पाप के बंध और मधुर वचनो से पुण्य का बंध कर सकता है। तलवार के घाव तो भरे जा सकते है लेकिन मनुष्य के मुख से निकले कड़वे शब्दों के घाव कभी नही भरने वाले। लोहे के कांटे.भी शरीर मे चुभ जाए तो कुछ समय तक ही व्यथा पहुंचाते है और कुशल व्यक्ति पुनः विशेष कठिनाई के बाहर निकाल देते है। किन्तु दूर वचनों के कांटे हृदय को इस तरह बींद देते हैं की उनका निकलना कठिन हो जाता है वे जन्म जन्म तक बेर की परंपरा को कायम रखते हैं साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र का वांचन करते हूए कहा कि मनुष्य के बोलने का लहजा ही उसके व्यक्तित्व का निर्माण करता है इंसान कितना भी सुंदर हो अगर बोलने मे विवेक नही है तो उसकी सुंदरता का कोई काम की नही है।प्रेम के लिए वचन की मधुरता अनिवार्य है।

श्रीमहावीरजी में चल रही भागवत कथा के सातवें दिन कथा सुनने उमड़ा जन सैलाब

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बे के मोदी कॉलोनी स्थित शिवालय मन्दिर पर चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन वृंदावन धाम के आचार्य अनंत शरण जी महाराज ने अपने मुखारविंद से कथा में जामवंती सत्यभामा कालिंदी मित्रविंदा सत्या लक्ष्मणा आदि कन्याओं के साथ भगवान श्रीनारायण का विवाह, भोमासुर वध, पारिजात हरण, रुकमणी के साथ भगवान श्री हरि नारायण का परिहास, बाणासुर प्रसंग, ग्रस्त जीवन धर्म का वर्णन, जरासंध वध, राज सूर्य यज्ञ, शिशुपाल दंत ब'का उद्धार आदि का वृतांत विस्तार से सुनाया। साथ ही भक्त सुदामा चरित्र को सुना कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा विश्राम से पूर्व कथा में पधारे वृंदावन धाम के प्रसिद्ध संत सद्गुरुदेव भागवत शरण जी महाराज का आयोजन कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूरा पांडाल हर हर महादेव, जय श्री राम के नारों से गूंज उठा तदोपरांत सुखदेव जी का पूजन कर कथा का विश्राम किया गया। आज भगवान भोलेनाथ से विश्व सुख शान्ती की कामना के लिए पूर्ण आहूती देकर हवन किया जायेगा। आयोजन समिति श्री लाडली जी संगम के पदाधिकारी बंटू गोयल तरुण कुमार अंकुर बेनीवाल राकेश स्वामी प्रवीण सैनी निखिल दीपक गुप्ता पूरणमल श्याम संजय शर्मा पवन सैनी आदि ने बताया की आज कथा के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जावेगा।

क्रोध आने पर बोलो राधे-राधे: श्री गिरिराज शास्त्री

गिरिराज जी की कंदरा,फूलों की सांझी, वल्लभघाट, पनघट

जयपुर. शाबाश इंडिया

अधिक मास के अवसर पर श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति व श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल,जयपुर के बैनर तले मोहनबाड़ी स्थित श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीष स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्शन व 56 भोग महामहोत्सव के तहत आयोजित श्रीमद भागवत कथा में शनिवार को बड़ोदरा निवासी श्रीगिरिराज शास्त्री ने व्यास पीठ से कहा कि जीवन में व्यक्ति को क्रोध कभी नहीं करना चाहिए कारण है कि क्रोध करने से व्यक्ति की सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। जीवन में जब भी क्रोध आए तो जोर-जोर से राधे नाम का उच्चारण करो। राधे नाम के उच्चारण करने से क्रोध कम हो जाता है। इसलिए क्रोध को कम करने के लिए राधे नाम का स्मरण करो। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु की दृष्टि में संसार में कोई छोटा-बड़ा,गरीब-अमीर नहीं है। वो केवल आत्मा को देखते है,क्योंकि सारी सृष्टि ही उन्हीं की बनाई हुई है। इसलिए अपनी दृष्टि को प्रभु की भक्ति में लगाइए। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु के दर्शन के लिए व्यक्ति को सत्संग सेवा सुमिरन में हमेशा लीन रहना चाहिए और अपने को मानव बनाने का प्रयत्न करो तुम यदि इसमें सफल हो गए तो तुम्हे इस कार्य में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। कुसंगति की अपेक्षा अकेले रहना सबसे उत्तम कार्य है। उन्होंने आगे कहा कि श्री मद भागवत कथा मानव को मानवता ही नहीं बल्कि मानवता के साथ-साथ वैष्णवता और भगवत्ता की शिक्षा देकर इनका पात्र भी बनाती है जीव को।

वासनारहित जीवन होने पर ही खुलता मुक्ति का द्वार: शास्त्री

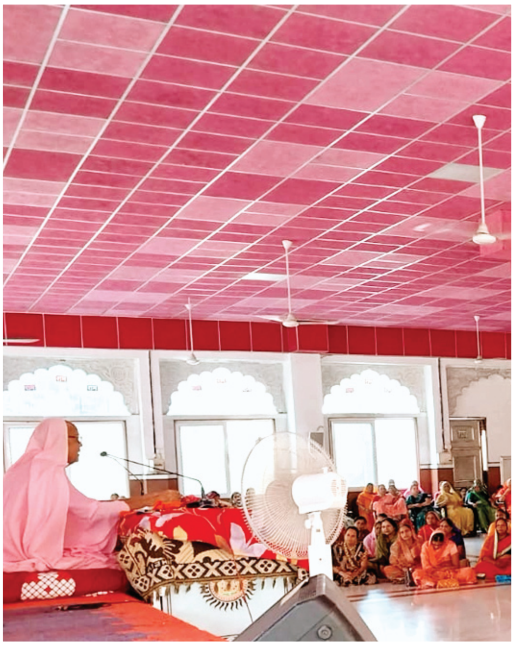

वासना के कारण ही जन्म-मरण का बंधन। रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग के तहत पुरूषोत्तम मास की कथा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन जब तक वासना रहित नहीं होगा तब तक मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती है। वासना का जटिल बंधन हमे काटना है तो राम मंत्र का जाप व भजन करना ही होगा। संतों की सत्संग से ही इस बात को हम समझ पाएगे कि भजन किस तरह करना चाहिए जो हमारे बंधनों को तोड़कर मोक्ष मार्ग को सुगम बना सके। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने शनिवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत पुरूषोत्तम मास (अधिक मास) से जुड़ी कथा में व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि वासना के कारण ही जन्म-मरण का बंधन है। वासना का स्थान हमारे मन में होता है। जो हमारे मन में बस जाती है उसे ही वासना कहते है। जब तक शरीर है वासना पैदा होती रहेगी। शास्त्रीजी ने कहा कि शरीर का अंत होने पर भी वासना मन के साथ सम्बन्ध जोड़ लेती है। वासना ही हमारे परलोक का मार्ग भी तय करती है ओर वासना ही पुर्नजन्म का आधार भी होती है। हमे यह तय करना होगा कि हम वासना मुक्त होकर परलोक जाना चाहते है या वासनामय रहकर जन्म-जन्मांतर के बंधनों में बंधे रहना चाहते है। मुक्ति का द्वार वासनारहित जीवन से ही खुलता है। उन्होंने कहा कि इस भौतिकवादी युग में व्यक्ति वासना के जाल में फंस कर मुक्ति के लक्ष्य से भटक रहा है। सत्संग ऐसे भटके हुए प्राणियों को सन्मार्ग दिखाता पुनः मुक्ति की राह पर लाता है। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न आयोजन हो रहे है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10.15 बजे तक संतो के प्रवचन व राम नाम उच्चारण हो रहा है। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5 से 6.15 बजे तक राम ध्वनि, सुबह 8 से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, शाम को सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन हो रहा है।

रोटरी क्लब जयपुर के सौजन्य से इंटरेक्ट क्लबों का संयुक्त अधिष्ठापन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर के द्वारा प्रायोजित इंटरेक्ट क्लबों का संयुक्त अधिष्ठापन समारोह शनिवार, दिनांक 22 जुलाई 2023 को चर्च रोड स्थित रोटरी भवन में आयोजित किया गया। इंटरेक्ट क्लबों में टैगोर विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, सैंट टैरेसा स्कूल, एमजीडी गर्ल्स स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, यूनिवर्स पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम, जनता गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चिल्ड्रंस एकेडमी, द पैलेस स्कूल, टैगोर पब्लिक स्कूल शास्त्री नगर, साधु वासवानी पब्लिक स्कूल, टैगोर विद्या भवन मानसरोवर, माहेश्वरी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैंट टैरेसा स्कूल, माहेश्वरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल तिलक नगर, टैगोर पब्लिक स्कूल वैशाली नगर, श्री वीर बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जनता गर्ल्स पब्लिक स्कूल, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर, रावत पब्लिक स्कूल, वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल, सरस्वती बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल जवाहर नगर, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल कालवाड रोड, एमजीपीएस विद्याधर नगर, महावीर पब्लिक स्कूल, सेंट एडमंड्स स्कूल जवाहर नगर, श्री के सी. जेड सेकेंडरी स्कूल, श्री शारदा विद्या मंदिर शामिल हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष रोटे उजास चंद जैन, सचिव रोटे पीयूष जैन, निदेशक शिल्पा बेंद्रे, इंटरेक्ट कमेटी चेयरमैन श्रीकिशन शर्मा, मुख्य वक्ता पी पी रोटे मोसेज फिलेमन, अधिष्ठापन अधिकारी पी पी रोटे सुधीर गुप्ता सहित सभी विद्यालयों के मॉडरेटर, अध्यक्ष, सचिव व पदाधिकारी व अन्य रोटेरियन बंधु उपस्थित रहे।

डॉ.जैन ने मुख्यमंत्री के साथ जन्मदिवस पर किया वृक्षारोपण

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

भोपाल। प्रतिवर्ष किसी न किसी कारण से हम अनेकों पेड़ों को खो रहे हैं। हर बार हम विकास के नाम पर कुछ पेड़ खोते जा रहे हैं। इसलिए हमने वनस्पति के महत्व पर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से यह अवधारणा पैदा की कि प्रत्येक व्यक्ति, स्त्री हो या पुरुष अपने जन्म दिवस पर एक पौधा लगाए। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति के जन्म दिवस पर पौधारोपण करने से परिसर की प्रकृति बनाए रखना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्म दिवस पर पार्टी के नाम पर कुछ पैसे खर्च करता है, लेकिन हम कुछ ही दिनों में इसे भूल जाते हैं। यदि हम अपने जन्म दिवस पर कोई पौधा रोपेगें तो हमारी उमंग बढ़ेगी और एक अलौकिक आनंद की अनुभूति भी होगी। साथ ही हमारा प्रत्येक जन्म दिबस पौधे के रूप में चिरकाल तक यादगार के रूप में जीवंत बना रहेगा। पौधारोपण प्रकृति में संतुलन बनाता है। इसी तारतम्य में अंबाह निवासी डॉक्टर रोहित जैन वरेह वाले हाल निवासी रिवेरा टाउन भोपाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित हुए एवं डॉक्टर रोहित जैन के द्वारा स्मार्टसिटी पार्क भोपाल में पौधारोपण किया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने डॉक्टर रोहित जैन को आशीर्वाद देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर डॉक्टर रोहित जैन, डॉ पी के जैन, नीलम जैन, संभव जैन, राकेश जैन अनुपम जैन आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

बरसात, हवा, कर्म और साधु कब आ जाए, पता नहीं :मुनिश्री सुधासागर

प्रवचन के माध्यम से बताया आहारदान का महत्व

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

आगरा। जब आप मकान बनवाते हैं तो उसमें विभिन्न विषयक अलग अलग कमरे बनवाते हैं । लेकिन आप साधुओं के लिए आहारशाला या स्वाध्याय के लिए अलग से कमरा नहीं बनवाते । दिगम्बर साधु के पड़गाहन मात्र से भारी पुण्य का आश्रव होता है । उक्त विचार श्री महावीर दिगम्बर जैन इन्टर कालेज हरीपर्वत परिसर आगरा में वर्षायोगरत निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पूज्य मुनिपुंगव श्रमण सुधासागर महाराज ने आहार दान के महत्व के संदर्भ में कहा कि मुनिराज को नमोस्तु तो हर चलता फिरता करता है, परन्तु असली नमोस्तु तो वह है जो नवधाभक्ती के समय पडगाहन करते हुये होता है । उन्होने चौका लगाने का महत्व बताते हुये कहा कि चौका लगाकर, मात्र पढगाहन पर खडे होने से ही 75% अंक श्रावक के खाते में आ जाते हैं, चाहें मुनिराज आये या नहीं आयें। उन्होंने बताया कि बिना नवधा भक्ती किए जो लोग चौको में आकर हथेली पर ग्रास रखना चाहते हैं, उन्हे मात्र 25% अंक समान ही पुण्य मिलता है। उन्होंने हर श्रावक और हर मन्दिर को आव्हान किया कि अगर घर बना रहे है, तो एक कक्ष साधु के आहार देने योग्य बनायें और अगर मन्दिर बना रहे हैं तो साथ में साधु के लिये सन्तशाला और साधु के साथ आने वाले भक्तो के लिए धर्मशाला तो अवश्य बनानी चाहिए । साधु आये या न आये परन्तु हमें अपने घर और मन्दिर में व्यवस्थायें हमेशा तैयार रखनी चाहीये । क्यों कि बरसात का, हवा का, कर्म का और साधु के आने का कभी भी पता नही चलता ।

नेट थिएट पर तबला जुगलबंदी, तबले की तिरकिट पर ताले नाच उठी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज दो उभरते युवा कलाकार तबला कलाकार नरेंद्र सिंह और आशीष कुमार ने तबले पर अपनी उंगलियों का ऐसा जादू चलाया दर्शक वाह-वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की तबला नवाज नरेंद्र सिंह ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत उठान, पैराकार, धीक धीनना, धा तिट धाधा तिट के बाद रेला, गत तिल्ली, फरमाइशी चक्रधार गत, बजाकर लोगों की वाही वाही लूटी । नरेंद्र ने तीन साल की उम्र में तबले की प्रारंभिक शिक्षा जयपुर के तबला गुरु उस्ताद इंतजार हुसैन खान और मुंबई के उस्ताद शादाब भारतीय से ली । इसके बाद नरेंद्र और उभरते तबला कलाकार आशीष कुमार ने तबले की जुगलबंदी मैं दिल्ली घराने का बहुत पुराना कायदा धा ती धागे न था तिरकिट बजाई और अपने घराने की कुछ गते परण पर उंगलियों का ऐसा जादू चलाया कि लोग मंत्रमुग्ध हो गए । इनके साथ हारमोनियम पर मयंक शर्मा ने सुरीली संगत से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज स्वामी ने किया। कार्यक्रम में प्रकाश व्यवस्था सागर गढ़वाल कैमरा मनोज स्वामी मंच सज्जा मनीष एवं अंकित शर्मा नोनू, जीवितेश शर्मा की रही ।

नशा सिलो पाइजन की तरह शरीर को नष्ट कर देता है: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

नशे में व्यक्ति अपने संयम को खो देता है

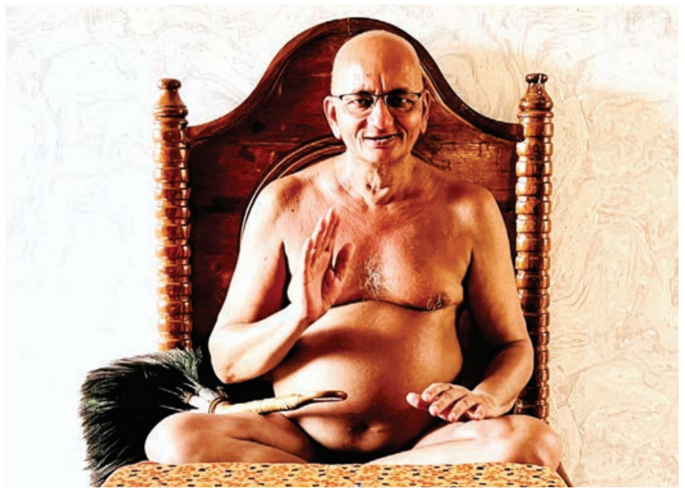

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। नशा सिलो पाइजन की तरह शरीर को नष्ट कर देता है नशे की लत धीरे-धीरे शरीर का ही नाश कर देती है नशा से व्यक्ति अपने आप को भूल जाता हैं नशें में व्यक्ति अपना संयम खो देता है नशीली वस्तु के सेवन से जीवन का नाश हो जाता है एक सिगरेट पीने से अठारह मिनिट आयु कम हो जाती है सिगरेट के पैकिट से आज सरकार ने चेतावनी लिख दी फिर भी आप लोग को अपनी जान प्यारी है ना ही अपनों की परवाह है जो आपके शुभ चिंतक आपके परिजन है उनकी सोचों आप अपनी परिवार को तड़पते छोड़ जाते हैं तवाकू जिसे गधा भी नहीं खाता उसके लिए लोग खाते देखा गये आज तो सरकार ने तंबाकू के पैकेट पर भी सरकार ने चेतावनी लिख दी। उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ने व्यक्त किए ।

परिणाम अच्छे होने चाहिएं

उन्होंने कहा कि आप जो मनो भाव करते हैं वह हो जाता है परिणामों की विशुद्धि होना चाहिए हजारों फिट ऊंचे पर्वत पर भी पानी मिल जाते हैं ये प्रकृति सभी पर करूणा करके आपको देती रहती है आज भी विशुद्धि से भरे परिणाम वाले व्यक्ति हमें वुदेल खण्ड में मिलते रहते हैं तव ही तो आचार्य श्री ने इस क्षेत्र को पसंद किया आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जब पहली बार गये और दहलान में वैठे थे एक युवा आया वह कुएं से पानी निकल रहा था उसकी गांगर परात में रखी थी जो जल परात में गिर गया उस जल को भी सभाल कर छानकर जीवानी की उसको देखकर आचार्यश्री के मुख से निकला जय वुदेल खण्ड इस तरह जो भी क्रिया विवेक से की जाती है उससे दया धर्म का पालन होता है आज प्रमाद हावी हो गया जीवन पर जीवन में करुणा होना चाहिए ।

नई पीढ़ी की कहानीकार किस्सागोई कार्यशाला में सीख रही चार भाषाओं में सृजन

लेकसिटी के सेवा मन्दिर में चार दिवसीय 'राइटर्स रिट्रीट' वर्कशॉप का समापन आज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान से संबंध रखने वाली देश के विभिन्न क्षेत्रों और शहरों से आईं युवा नवोदित लेखिकाओं की चार दिवसीय कार्यशाला 'राइटर्स रिट्रीट' फतेहपुरा क्षेत्र स्थित सेवा मन्दिर के रमा मेहता सभागार जारी है। इसी कार्यशाला के दौरान शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में नई पीढ़ी की लेखिकाओं ने वर्तमान दौर में महिलाओं की सामाजिक स्थिति और चुनौतियों पर खुलकर विचार रखे। उन्होंने स्वीकार किया कि डिजिटल एरा के इस दौर में राइटिंग/रीडिंग/रीडर्स और पब्लिकेशन में अब स्थितियां पहले की तरह नहीं रहीं, इसके अलावा लिखने और पढ़ने के माध्यम भी बदलकर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो गए हैं। ऐसे में नई पीढ़ी के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि इस कार्यशाला में राजस्थान के उदयपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, टोंक, बांसवाड़ा, चूरू जैसे शहरों के अलावा हिमाचल, उत्तर प्रदेश, मुंबई, इन्दौर, मणिपुर राज्यों से आईं राजस्थान से नाता रखने वाली लेखिकाएं चार भाषाओं में किस्सागोई सृजन की बारीकियां सीख रही हैं। इन सभी को कार्यशाला में गजनफर अली (उर्दू) प्रभात रंजन (हिंदी) चंद्रप्रकाश देवल (राजस्थानी) और अनुपमा मोहन (अंग्रेजी) में लेखन/प्रकाशन के गुर सिखा रहे हैं। मीडिया से बात करते कुछ लेखिकाओं ने बताया कि लेखन सहित विविध रचनात्मक व सृजनात्मक कार्यों के लिए घर परिवार से बाहर आकर खुद को अभिव्यक्त करने में अनेक चुनौतियां हैं। खास तौर पर मध्यमवर्गीय परिवारों से जुड़ी युवा लेखिकाओं के लेखन कौशल को परिष्कृत कर उन्हें इस विधा में आगे बढ़ाने के अवसर बहुत कम है। बता दें, शताब्दी वर्ष मना रहे रमा मेहता मेमोरियल ट्रस्ट पिछले तीन साल से युवा लेखिकाओं को ग्रांट प्रदान कर उन्हें लेखन क्षेत्र में स्थापित होने का अवसर प्रदान कर रहा है। लगातार तीसरे साल की इस लेखन ग्रांट योजना के सलाहकार मंडल में प्रख्यात लेखिकाएं इरा पांडे, रख्शंदा जलील और एनी जैदी सम्मिलित हैं। ट्रस्टी अजय मेहता व नीलिमा खेतान ने बताया कि लेखन का विषय ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष नवंबर में घोषित किया जाता है जिसकी प्रविष्टियां अगले साल 31 मार्च तक स्वीकार की जाती हैं। वर्ष 2023 ग्रांट के लिए ट्रस्ट को चारों भाषाओं में कुल 177 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। जिनमें 43 चयनित लेखिकाएं उदयपुर में चार दिवसीय 'राइटर्स रिट्रीट' कार्यशाला में भागीदारी निभा रही हैं। चारों भाषाओं की विजेता लेखिकाओं के नाम की घोषणा 23 सितंबर 2023 को मुंशी प्रेमचंद की पोती, प्रसिद्ध लेखिका, अनुवादक व संपादक सारा राय करेंगी।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

भूल न जाना कल रूप रजत विहार में सास-बहु दोनों को है आना

महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा.के सानिध्य में प्रवचन में मनाया जाएगा सास-बहु दिवस

सुबह युवाओं की एवं दोपहर में बच्चों की कक्षा में मिलेगा धर्मज्ञान

सुनील पाटनी। शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में चातुर्मास कर रहे मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में रविवार को सुबह 8.45 बजे से नियमित प्रवचन के दौरान सास-बहु दिवस मनाया जाएगा। महासाध्वी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से घर में सबसे अधिक समय साथ बीताने वाली सास-बहु में किस तरह आपसी समन्वय बढ़ सकता, उनके क्या कर्तव्य है और एक-दूसरे को सुख-दुःख में संभाल किस तरह घर को टूटने से बचाया जा सकता इस बारे में प्रेरणा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में सास के लिए पीली एवं बहु के लिए लाल रंग की साड़ी ड्रेस कोड रखा गया है। उन्होंने कहा कि धर्मनगरी भीलवाड़ा की अधिकाधिक सास-बहु प्रेरणादायी इस आयोजन से जुड़े इसके लिए सभी को प्रयास करने चाहिए। जिन श्राविकाओं के सास या बहु नहीं है उन्हें भी इस आयोजन में शामिल होना चाहिए क्योंकि कल उनके भी दायित्व बदलेंगे तो उन्हें भी इससे प्रेरणा मिलेगी। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार नियमिति प्रवचन से पूर्व रविवार सुबह 8 से 8.30 बजे तक युवाओं की कक्षा होगी जिसमें 25 से 50 वर्ष तक के श्रावक शामिल होकर धर्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इसके बाद सुबह 8.30 बजे से 8.45 बजे तक लोगस्स जाप होगा। समिति के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया के अनुसार बच्चों की कक्षा दोपहर एक से 2 बजे तक होगी। दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप होगा। दोपहर 3 से 3.40 बजे तक प्रश्नमंच का आयोजन होगा। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन भी हो रहा है।

राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का हुआ गठन

जैन समाज समिति नेमीसागर ने मुख्यमंत्री गहलोत का आभार व्यक्त किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन पर श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जेके जैन कालाडेरा ने माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत साहब का एवं कृषि मंत्री लालचंद कटारिया साहब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड बनने से जैन समाज की सभी तरह की समस्याओं का निराकरण आसानी से होगा एवं श्रमण संस्कृति की रक्षा होगी।

भीलवाड़ा में नवीनीकृत आईसीडी का किया पुर्नःसंचालन

राज्य के निर्यात व्यापार को बढाने के लिए सतत प्रयास-शकुंतला रावत

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

राज्य के भीलवाड़ा क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा देने एवं पोर्ट तक कन्टेनर लॉजिस्टिक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु राजस्थान सरकार के उपक्रम ह्राजस्थान लघु उद्योग निगमह्य द्वारा भीलवाड़ा में इनलैण्ड कंटेनर डिपो (आईसीडी) का नवीनीकरण एवं पुर्नःसंचालन समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। भीलवाड़ा के आजाद नगर में समारोह के मुख्य अतिथि, राजस्थान सरकार की उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, शकुंतला रावत और विशिष्ट अतिथि, राजस्व मंत्री, रामलाल जाट और राजसिको एवं आरईपीसी के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने हरी झंडी दिखा कर कंटेनर्स रवाना किये। राजीव अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य, वीनू गुप्ता उपायुक्त कस्टमस-नरेन्द्र आसेरी और प्रबन्ध निदेशक, राजसिको डॉ. मनीषा अरोड़ा उपस्थित थी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, शकुंतला रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राज्य के निर्यात व्यापार को बढाने के लिए सतत प्रयास किये जा रहें हैं। ''मिशन निर्यातक बनो'' के अन्तर्गत निर्यातकों को विदेशों में निर्यात के लिए पोर्ट तक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु राजसिको के माध्यम से ड्राई पोर्ट की स्थापना की गई है। औद्योगिक नगरी भीलवाडा के औद्योगिक संगठनों की मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने यहां आईसीडी के पूर्नसंचालन का निर्णय लिया है। शकुंतला रावत ने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा वित्तीय बजट 2022-23 में 95 करोड़ रूपयों की लागत से जोधपुर आईसीडी के विस्तारीकरण हेतु घोषणा की है। राजस्व मंत्री, रामलाल जाट ने काफी आईसीडी के नवीनीकरण एवं पुर्नःसंचालन के लिए राजीव अरोड़ा को धन्यवाद एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तरीके से बने इस आईसीडी को आरम्भ कर राज्य सरकार ने उद्योगपतियों की समस्याओं का निवारण किया है। राजीव अरोड़ा ने बताया कि इस आईसीडी से प्रारंभ में प्रतिमाह 300 से 400 कन्टेनर के निर्यात व्यापार की संभावना है, जिसके अतिशीघ्र आगामी 3 माह में 500 कन्टेनर तक होने की संभावना है। इसके संचालन से भीलवाडा टैक्सटाइल उद्योग, पत्थर एवं खनिज उद्योग एवं अन्य निर्यातमुखी औद्योगिक ईकाईयों को लॉजिस्टीक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी और भीलवाडा के साथ-साथ माण्डलगढ, विजयनगर, गुलाबपुरा, शाहपुरा, बूंदी, चित्तौडगढ क्षेत्र के निर्यातकों को भी विशेष लाभ प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा राज्य के आयातकों निर्यातकों को आधारभूत लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आईसीडी भीलवाड़ा की स्थापना वर्ष 1989 में की गई थी।

त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन मंदिर त्रि दिवसीय स्थापना दिवस समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन मंदिर त्रि दिवसीय स्थापना कार्यक्रम के आज दूसरे दिन रात्रि में 48 दीपकों के साथ भक्तांबर अनुष्ठान का आयोजन किया गया। समिति के मंत्री रजनीश अजमेरा ने बताया प्रारंभ में महावीर जी दीपक जी रबडीवाला परिवार, नरेंद्र जी विनय जी पाटनी परिवार, अशोक जी शिमला जी पापड़ीवाल परिवार एवं कैलाश जी ऊषा जी सोगानी परिवार ने दीप प्रज्वलित कर अनुष्ठान की शुरूआत की। इस अवसर पर महेंद्र काला, राकेश छाबड़ा, डा विनोद जैन, नरेश कासलीवाल, अंकुर पटौदी, राजकुमार पांड्या, नरेंद्र सेठी,संतोष सोगानी,साधना छाबड़ा, मैना देवी पाटनी, विभा अजमेरा, प्रेम लता काला सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।